डा० के० एल० श्रीमाली : मैं निवेदन कर चुका हूं, ये २० व्यक्ति हैं जिन्होंने कि काम शुरू कर दिया है और जितनी जल्दी हो सकेगा इनको प्रकाशित किया जायगा ।

†[DR. K. L. SHRIMALI: I have already stated that these twenty persons have started working and the inscriptions will be published as soon as possible.]

डा० रघुबीर : स्वतन्त्रता के पश्चात् "इपीग्राफिया इंडिका" के कितने अंक निकले और उनमें कितने शिलालेख प्रकाशित हुये ?

†[DR. RAGHU VIRA: How many numbers of "Epigraphia Indica" have been published since independence and what is the number of inscriptions which appeared in them?]

डा० के० एल० श्रीमाली : स्वतन्त्रता से पहिले तीन वाल्यूम (volume) निकल चुके थे, चौथा वाल्यूम प्रेस (Press) में है, वह जल्दी ही निकल रहा है ।

†[DR. K. L. SHRIMALI Three volumes were published before independence, the fourth one is in the Press and that will be out soon.]

फ्रांसीसी और अंगरेजी भाषाओं में अनुवाद कराने के लिए चुनी गई पुस्तकें

*५९७. **प्रो० आर० डी० सिन्हा दिनकर** : क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) युनेस्को के द्वारा विभिन्न पूर्वीय साहित्यों की प्रतिनिधि रचनाओं में से कुछ चुनी हुई रचनाओं का अनुवाद कराने की जो योजना है उसके अधीन क्या भारतीय भाषाओं में लिखी हुई कुछ पुस्तकों का अंगरेजी और फ्रांसीसी भाषाओं में अनुवाद कराने के लिये चुनाव हो चुका है ; और

(ख) यदि हो चुका है तो वह पुस्तकें कौन सी हैं ?

†[BOOKS SELECTED FOR TRANSLATION INTO FRENCH AND ENGLISH

*597. PROF. R. D. SINHA DINKAR: Will the Minister for EDUCATION be pleased to state:

(a) whether any books in Indian languages have been selected for translation into English and French languages under the Scheme of the United Nations Educational, Scientific and Cultural Organisation for the translation of a selection of representative works of various Eastern literatures; and

(b) if so, what are the books which have been selected?]

THE PARLIAMENTARY SECRETARY TO THE MINISTER FOR EDUCATION (DR. K. L. SHRIMALI): (a) Yes.

(b) 1. Godan.
2. Krishnakanter Will.
3. Kamba Ramayanam.
4. Gyaneshwari.
5. Tukaramche Abbang.
6. Kamayani.
7. Tirukural.
8. Ramcharit Manas.

प्रो० आर० डी० सिन्हा दिनकर : क्या सरकार को कुछ पता है कि इन पुस्तकों के अनुवाद के लिए कौन कौन विद्वान लगाए जायेंगे ?

†[PROF. R. D. SINHA DINKAR: Are Government aware of the names of the scholars who will be entrusted with the work of translating these books?]

†English translation.

डा० के० एल० श्रीमाली : कौन इनका तर्जुमा करेंगे इसकी सूचना मेरे पास नहीं है ।

†[DR. K. L. SHRIMALI: The information regarding the persons, who will translate these books, is not with me.]

प्रो० आर० डी० सिन्हा दिनकर : क्या भारत सरकार से इस विषय में कोई सलाह ली जायेगी ?

†[PROF. R. D. SINHA DINKAR: Will the Government of India be consulted in the matter?]

डा० के० एल० श्रीमाली : जी हां, युनेस्को और भारत सरकार दोनों मिलकर इन पुस्तकों को प्रकाशित कर रहे हैं ।

†[DR. K. L. SHRIMALI: Yes, Sir, both the UNESCO and the Government of India are publishing these books jointly?]

DR. P. C. MITRA: Why not Tulsidas's "Ramayana", "Anand Math" and Kali Prasanna Sinha's "Mahabharat"?

डा० के० एल० श्रीमाली : इस योजना का खास मकसद यह था कि भारतवर्ष की जो मुख्य मुख्य भाषाएं हैं उनके क्लासिक्स एकत्रित किये जायं और युनेस्को की सहायता से इनको प्रकाशित किया जाय । हिन्दी से पुस्तकें ली गई हैं ।

†[DR. K. L. SHRIMALI: The main object of the scheme was to collect all the classics in the major languages of India and to publish them with the help of UNESCO. Hindi books have been selected.]

श्री न० सिं० चौहान : भारत सरकार ने किस के मत से इन पुस्तकों को चुना है ?

†[SHRI N. S. CHAUHAN: On whose recommendation have the Government of India selected these books?]

डा० के० एल० श्रीमाली : जो प्रसिद्ध सोसाइटीज थीं उनसे राय ली गई थी ।

†[DR. K. L. SHRIMALI: The prominent societies were consulted.]

श्री न० सिं० चौहान : क्या उनके नाम बतलाने की मेहरबानी करेंगे ?

†[SHRI N. S. CHAUHAN: Will the hon. Minister be pleased to tell their names?]

डा० के० एल० श्रीमाली :

गोदान—अजुमने तरक्कीए उर्दू, अलीगढ़ ।

कृष्णकांतेर विल—बंगीय साहित्य परिषद् कलकत्ता ।

कम्ब रामायणम्—तामिल अकेडेमी, मद्रास ।

ज्ञानेश्वरी—महाराष्ट्र साहित्य परिषद् पूना ।

तुकारामचे अबंग—महाराष्ट्र साहित्य परिषद्, पूना ।

कामायनी—हिन्दी साहित्य सम्मेलन इलाहाबाद ।

तिरुक्कुरल—तामिल अकेडेमी, मद्रास ।

रामचरित मानस—हिन्दी साहित्य सम्मेलन इलाहाबाद ।

†[DR. K. L. SHRIMALI:

"Godan"—Anjumane Taraqqe-Urdu, Aligarh.

"Krishnakanter Will"—Bangiya Sahitya Parishad, Calcutta.

"Kamba Ramayanam"—Tamil Academy, Madras.

"Gyaneshwari" — Maharashtra Sahitya Parishad, Poona.

"Tukaramche Abbang"—Maharashtra Sahitya Parishad, Poona.

†English translation.

"Kamayani"—Hindi Sahitya Sammelan, Allahabad.

"Tirukural"—Tamil Academy, Madras.

"Ramcharit Manas"—Hindi Sahitya Sammelan, Allahabad.]

श्रीमती चन्द्रावती लखनपाल : मैं यह जानना चाहती हूं कि किस आधार पर पुस्तकें अनुवाद के लिए चुनी जा रही हैं ?

†[SHRIMATI CHANDRAVATI LAKHANPAL: I want to know on what basis these books are selected for translation.]

डा० के० एल० श्रीमाली : मैं निवेदन कर चुका हूं कि सब सोसाइटीज को लिखा गया कि जो सब से अच्छी पुस्तकें हों उनके बारे में लिखे और उसके आधार पर ये पुस्तकें चुनी गई ।

†[DR. K. L. SHRIMALI: I have already stated that all the societies were asked to recommend the best books; on the basis of their recommendations these books have been selected.]

श्रीमती चन्द्रावती लखनपाल : पुस्तकें जांचने की कसौटी क्या रखी गई है ?

†[SHRIMATI CHANDRAVATI LAKHANPAL: What have been the criteria for selecting these books?]

डा० के० एल० श्रीमाली : कसौटी तो सोसाइटी के पास थी ।

†[DR. K. L. SHRIMALI: The societies had their own criteria.]

बुनियादी तालीम की कमजोरियों का अध्ययन करने के लिए शोध केन्द्र

*५९८. **प्रो० आर० डी० सिन्हा दिनकर** : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बुनियादी तालीम की कमजोरियों का अध्ययन करने के सम्बन्ध म खोज कार्य करने के लिये सरकार ने कोई केन्द्र स्थापित किया है ; और

(ख) क्या बुनियादी तालीम की असफलताओं के कारणों पर कोई पुस्तिकायें अभी तक प्रकाशित की गई हैं ?

†[RESEARCH CENTRES TO STUDY DEFECTS IN BASIC EDUCATION

*598. PROF. R. D. SINHA DINKAR: Will the Minister for EDUCATION be pleased to state:

(a) whether Government have established any centre for doing research work in connection with the study of the defects in basic education; and

(b) whether any booklets on the causes of the failure of basic education have so far been published?]

THE PARLIAMENTARY SECRETARY TO THE MINISTER FOR EDUCATION (DR. K. L. SHRIMALI): (a) and (b). No.

कुछ पुस्तकों का हिन्दी में प्रकाशन

*५९९. **प्रो० आर० डी० सिन्हा दिनकर** : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत का इतिहास, विश्व का इतिहास, तथा जीवन की कहानी (विश्व जीवन का इतिहास) प्रकाशित करने की योजना में क्या प्रगति हुई है ;

(ख) किन विद्वानों को इन पुस्तकों का लेखन कार्य सौंपा गया है ; तथा

(ग) ये पुस्तकें मूलत: किस भाषा में लिखी जा रही हैं ?

†[PUBLICATION OF CERTAIN BOOKS IN HINDI

*599. PROF. R. D. SINHA DINKAR: Will the Minister for EDUCATION be pleased to state:

(a) how far the plan for publishing a History of India, a History of the

†English translation.